

DPN 6146

Title : अंग परीक्षा व व्रत पूजा विधि AṅSA PARIKṢĀ VA VRATA PUJĀ VIDHI

Run. No. 6837

Cat. No.

Micro. No.

Subject अङ्ग परीक्षा व व्रत विधि
Palmistry and Ritual

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 20.5 X 8.5

Folios 15

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

रूपान्तर : निम्नलिखित हस्तलिखित /
Two different handscripts.

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ ॥ हनसा म म नाथ यथा भावतु क सा मानदयुत रागदयुत क्रसयनचित
लुगसा आवनकयुतशा खवक्रसयनहुगसा गिविवाकदयुतशा खवक्रसय
नहुगसा दाहूनजालनकयुतशानियादहुगसा लक्ष्मीवागदयुतशा कनमिवा
हुगसा धनवागदयुतशा खवक्रमिवाहुगसा नृगवसायाधिनामशयुतशानियामि
याहुगसा दल्यमानशयुतशा क्रासहुगसा खवानहासिद्धि कृतशा दंनहुगसा
सावयागुचितयदयुतशामनहुगसा मरुसायशयुतशा ० ॥ ऊतवाकाहुग

सा गवयुसादवायुतशा खवक्राकाहुगसा धनवागदयुतशानियाहुगसा गवयुसा
दवायुतशा खवक्रायागमंलशयुतशा ० ॥ यागहुगसा वायनकयुतशा ऊडाया
काहुकया सिद्धखशयुतशा खवक्राकाहुकया मशिद्धशा ० ॥ ऊतइइहुकया ग
वइखशयुतशा याकसिकदयुतशा खवक्रइइहुकया हुकमुविशानेवायनकयुत
शानियादहुगसा सिद्धंवादयुतशा ० ॥ यहुहुगसा उलेमदानिशयुतशा वादा
गवाहुगसा वादागयायामिवाहुगसा वायमाचितशिशुनदशा ० ॥ ऊत

या न तु न सा वादि त्व क्ता य सा वि व क्षा ख न या न तु न सा क न तु न यु व भानि या द
 तु न सा वा जा या वा ध व रु यु व क्षा ऊ डा या या न तु न सा स्त्री वा स द यु व क्षा ख न क्षा
 या न तु न सा व व यु व रु यु व क्षा नि यौ तु न सा वा जा या ड नि सं म्य नि रु यु व क्षा ० ॥
 न तु न तु न सा म हा रा य द यु व क्षा ह्री तु न सा भा व या क वा न थ न क न यु व सि
 य क्षा ऊ व क्ता सि तु न सा रि ढ क्षा वा न द यु व क्षा ख व क्ता सि तु न सा स र ला न द यु व
 क्षा नि या क्ता सि तु न सा म व या रा य द यु व क्षा ० ॥ ऊ व ल क ता व तु न सा रि ढ क्षा

ख व ल क ता व तु न सा सं क ल रु यु व क्षा ० ॥ ऊ व या वि तु न सा रि ढ क्षा नि द यु व
 ॥ ख व या वि तु न सा ना थि ल न न मा वि व क्षा ० ॥ ऊ व यु वि तु न सा द मा नु व डा ल
 सा वि व क्षा ष द यु वि तु न सा ला य मा न द यु व क्षा ० ॥ ऊ व रु नि या क्ता नि या तु न सा
 म रि ढ क्षा ख न रु नि या क्ता नि या तु न सा सि ध क्ता रि वा रा क्षा नि या तु न सा डा डा
 था य स सि दि रु यु व क्षा ० ॥ ऊ डा यु थि तु न सा वा न वा य द यु व क्षा ख न यु थि तु न
 सा वा यो न रा क वा य द यु व क्षा नि यौ तु न सा म म व न सि दि रु व क्षा ० ॥ ऊ व या

विमलहृगसा तदाथायन ननानं डायरुयिवशा खवयाविमलहृगसा नायि (१५)
तला माविमशा ॐ ॥ न स वा स ऊतमिखा हृगसा शिठखडयिवशा नि सा व सुव
वद स ऊतमिखा हृगसा शिठशा खवमिखा हृगसा यकनमदशा मा ज न हुं व स ह
गसा ऊवयाशिठशा खवया हृगसा यादानवयवशा वाक्किमहृगसा ऊतशिठशा १
खवहृगसा नयगोला दयुवशा दामंदूदातयवशा सादानयिवसहृगसा ऊतमिखा
शिठशा खवमिखा हृगसा वादा थ नयदयुवशा नि सा व विदू व स ऊतमिखा हृग

सा शिठशा खडामिखा हृगसा वरु कदवदयुवशा संश्या वा व स हृगसा ऊतव
कशिठशा खवहृगसा नयगोला दयुवशा योचियिवस ऊतमिखा हृगसा मशिठशा १
खवहृगसा शिठशा वाचा स ऊतमिखा हृगसा या जान मा नययुवशा खवमिखा हृग
सा वा थ नयदयुवशा वाचानवि ऊतमिखा हृगसा या जान मा नययुवशा खवमिखा
हृगसा यदा थ नयदयुवशा म्मिअंगयवि का स मा कशा ॥ ॐ ॥ ० ॥
हृगसा वदयवशा खयाश्चा ययवका मि सुसा सुसा कथयनिशा वाया हृयदवका न

सा दद्विनरुललायवशा नियद्वसकनसा यावानरुललायवशा स्वयद्वसक
 नसा स्ववानरुललायवशा यायद्वसकनसा सुगुचिगानकन डागुचिगानरुल
 वायवशा सुयद्वदयवसकनसा नकि कावर्गं रुव वायवशा दद्वयक मगव
 नाशा भवु कि सि सा काथ दद्वल थुनि गय धकं कनसा दयदयकं रुयवशा गु
 जाया धकं कनसा वनसरुया धकं नाम ददातया वया दधकं कनसा यनथा
 या धकं वनथा या वना या धकं थमवार हया धकं इव रुकनया धकं थनिस

रुगा कनसा धन वारा दयवशा मीरुधमिक लवदा धकं कि ह तादा सि सा व सा ल
 न क स या म सा थ रु व ल दा या रुग ध रु य ना य वन वार थुनि स रु ना ल व दा धकं
 कनसा ल श्री सि दि रु य व शा म नू य या वान या धकं क रं थ रु व या ल या दं थ रु व
 न या धकं कनसा स लि गं का या वारु द य व शा वा दा क म या धकं कनसा द व द्वि नं
 का या वारु द य व शा माल न या धकं कनसा वा जा या डा ड नि वारु द य व शा थ व रु म
 न गा म या ला व द य कं म या धकं कनसा डा गु चि ग म या य व मान रु य द य व शा न

यावश्याधकं कनसा शीलकी द्विविचनयिव मव त कनसा कयिचिनशीनय
 कं कनसा दनं कयं धनवस सशयवधा इद्विवननधकं कनसा धविचिवन
 वधकं कनसा शीलकी द्विविचनयिवशा अश्रयसि कषतवसि माकयासाय
 मानवनसा भायादयव ताहातधकं सहातधकं कनसा वाधययंदखनयव
 गथनसाविदश याचिचिविनन नामका हायिव ठहकनसाया गुरुन हाया सा
 कसनहायातविचाव कर्मसनसावधकं कनसा अकावमृत्कशयुनशायिशीन

खावमिसा हिथिडाचिननमियाधकं नसा कनलवनया हाधकं शुथिवयना
 सिनमियाडा वाठठकं कनसा ननानधनवा वादयुनशा तादयना सिनसि
 हातवा हाधकं कनसा इमी वंरव हाहा रायय वृक हथा वा का मा कनरुनधा को
 यखावमिसा मायडा यमासिनसिहावृत्त हाधकं कनसा संवागाठदिगा
 गयवयिवशा हाकाखावमिसा हाधकं कनसा नानाकयवयुनशा १००० नखा
 रुहाकाखाव मायखाव तादखाव धमिखहाव मिसा मायवमृदाव रवहाया

सभरुविश्यासीत इहो ॥ अथोतथा ॥ वृत्तनदहायिदाश्याधकं दृष्टिनद्वी
 वृत्तश्याधकं चयविनययविश्यावकश्याधकं गयिनिन गयिनिवावकं श्या
 कं कनसा जलनासश्यावध ॥ हाककिमि हाककिमि हाकवावदत हाकवाव
 वक्रनि हाकवाववाजा थगिदहाठकं कनसा अगिमिदिद सभरुदनिश्या
 वध ॥ धविदिदवदकं कनसा वाकवायनकयितथा धविदवदकं कनसा चि
 कवायनकयितथा धविनयाठकं कनसा असिदश्यावध ॥ वीदहाधकं कनसा

थिमवायनकयितथा गवावहाधकं कनसा विश्यासभरुवायनथा जानथा
 धककनसा वावदवतथा वदवुवुं वास ववसास ववसास वाजा
 थगिमिदिदकं कनसा सयननश्यावध ॥ याव थाव किम वयस सिवाव
 हाधकं कनसा वृत्तनदहायिदाश्याधकं कनसा वावदवावहाधकं कनसा
 यदश्यावध ॥ अजिनिनरठकं दनादना कयिनिनययावकं कनसा धमन
 सश्यावध ॥ सखदकाठ दशश्यावध ॥ वक्रवदना धवसवावावध ॥ वावद
 ॥ अजिनिन हाधकं कनसा ॥ अजिनिन

यत्तथा हनिता वा दानि सा गच्छामस विद्या धर्मं कुरुता वा जान
मवायत्तथा कायदयत्तथा यथा विदथु स यथा बालयमस थ दाना
धर्मं कुरुता वा जाहयत्तथा रि यत्तथा धर्मं कुरुता दण्ड्या
मवायत्तथा जवमि जानयाव वा धर्मं नयाधर्मं गवदुद
थर्तव युगयन्तया दर्मं थर्तव नादादर्मं थर्तव थर्तव कुरुता
नादाधर्मं कुरुता दानाया मिथ्या वा दाना दाना दाना क

रु २५५

गो ३५५

वा आयाति युक्त निवृत्ताः धवला यध श्रीनिवा आयाति दत्तं मुं रुगा म वीक न यः
 दाः वका दयः यव यध श्री कृ काधिका वा वी दं व वः यथ म सो आनि मिह रुः
 कं म न ल्य का धि क म द स व ला य ध श्री आयाति द व म नु जाः ध द्वा र्जा क म लो व वा
 ध द्वा र्जा क म लो व वा क ल्य का टि ध क व यि वा य द ल क क ल्य ध क व न के मा नु य
 म ह्य रु द द वा व म कं र क म्मा य कं या य म का क व द्धिः का या दि ध श्री ध व ला य य नः
 म्मा च ला क क व द्वा का का ना नि धी वि मा ल म द ध का ना म्मा द ल र्जा क म लो व वा

मानां म का दि ध श्री ध व ला य ध श्री आयाति दत्तं मुं रुगा म वीक न यः
 ध व ला य ध श्री ध व ला य ध श्री आयाति दत्तं मुं रुगा म वीक न यः
 या य वा च धि रु द न न म म कं म द नी द ल का यं रु द्वा दं वा य या मि यु ध मि क धि
 व मा कं म द्वा या न म म कं म द्वा य ध व द्वा य ध व द्वा य ध व द्वा य ध व द्वा य ध



(नमः शिवाय ॥ सूर्यार्च ॥ शुभमस्तु ॥ सिद्धयुक्ता ॥ दण्ड
 श्री कलशायुक्ता ॥ दंडयुक्ता ॥ वन्दमस्तु लयुक्ता ॥ धर्मद्विपति
 शुभमस्तु लदानक ॥ विसृज्य न ॥ धामन ॥ अय ॥ वाक्का ॥ धामन ॥ धामन ॥
 मण्डप ॥ शुभ ॥ लानवर्थावि ॥ धामन ॥ समन ॥ राड वाक्का ॥ तासमः
 लमस्तु ॥ सर्वताथातासाकी ॥ सर्वताथातालयी ॥ सर्वध
 माता ॥ नैलात्मा ॥ दंडमस्तु लमस्तु ॥ सर्वलक्ष्मीसमस्तु ॥ स

श्री लक्ष्मीदेवि नमः समन ॥ राड वाक्का ॥ तासमस्तु लमस्तु ॥
 ॥ सर्वसमस्तु लमस्तु ॥ सर्वयुक्ता ॥ निमित्ती ॥ समन ॥ राड विर
 य ॥ धामन ॥ लमस्तु ॥ ॥ मस्तु लमस्तु ॥ दादा लमस्तु ॥
 सुखलगत्य ॥ सर्वन ॥ ॥ कायक ॥ विविधयोग ॥ वाक्का ॥ लुच ॥ रुविः
 श्री मानसं विष्णुकाय ॥ दण्डक ॥ लल्लुगिस्तु ॥ ॥ पादागिपाताः
 दण्डनी ॥ काममिथा ॥ कायिक ॥ मृषावा ॥ दण्ड ॥ योनी ॥ पाद ॥ धारिः

न तावदां अविद्यात्त्वव्यादे मिथ्याद्विच्छिन्नं ॥ ॥
 धर्मदशाकालायापतालताम धर्मदानं ॥ यतातसुनभजल
 सानकला यज्ञवात्रीरुता सतिवर्मेयवावृता यक्षमाया
 रिक्तावार्थसमन्निधानं जलाष्टं ॥ ॥ रुस ० ३
 रीतं ॥ श्रीरुद्रं न वन्दमदुल्लभं वायं सुखादानं वागयं ध्या
 नं ॥ श्रीकर्म ॥ शुक्रवर्द्धनं साक्षात्पुत्री वन्दे विरुद्रायां शुक्रा ॥

भामध्याजकामकटध्वं शितं अदिवावस्तुवृत्तिं सर्वाः
 लोकात्रयचिरी गथागतौ कितसिप्रसिधये ॥ सर्वसत्त्वानीय
 तादिकुंठासंगाय सर्वपापं कुंदनकपं नवैत्र्यं ध्यात्वा धः
 ममाययता ॥ ॥ पादार्थं स्नानवाया ॥ ॐ सम्यक् स्यादहा
 कलावन्दाय नमः साहा ॥ दधम ॥ ॐ अमाय नमः ॥ दधम ॥ ॐ
 आ नमः नमः ॥ दधम ॥ ॐ श्रीवन्दाय नमः ॥ पिथक वमा ॥ ॐ

खवकूनस

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

खवपिथकन॥ ॐ नमः शिवाय नमः॥ शिवपिथकन॥ ॐ निष्ठाकलाः
 यनमः॥ शिवकन॥ ॐ नमः शिवाय नमः॥ दधुसा॥ धनानः
 पिथकाकसा॥ अष्टीनिनक्रुणाय स्वाहा॥ रात्रुष्टी॥ कर्तिकन॥ आ
 दि॥ मृग॥ आ॥ पनर्व॥ पृष्ठा॥ अष्टी॥ मद्य॥ पर्वरुष्टु॥ डः
 गदाष्टु॥ दक्ष॥ वि॥ स्वाति॥ विसा॥ अन॥ अष्ट॥ मल्ल॥
 पर्व॥ उगाष्टा॥ अतिवि॥ अष्टन॥ धनव॥ अष्टा॥ पर्व

२३ गुरुद्वयं प्रवर्तितं नृणां यथा ह्यहं यत्कृत्वा लक्षणं ॥ सु
 ति ॥ क ३ गुरु लक्षणं कल्पं कल्पकादिना वीती ॥ दे सवाहन
 मी पृष्ठं निष्ठा कपलमा मदी ॥ ॥ अर्थ याय ॥ लीः
 ख ३३ कदा डादा ताय स अशत मरु दादल
 अर्थ मे अर्थ का धर्तरी खडा गया व अर्थ याय ॥ वाक ॥ ::
 ली ताय सर्व धर्मेषु सूर्य जायतं यथा ॥ अथा ली वाका ::

कल्लभातिथक आधिर्वादि विद्य ॥ लूनक्य याल नयाय ॥
 धाति कदा काल पमा याय ॥ ॥ ली गि पद मासि
 वरा ॥ ॥ ॥
 कल्लभा नकी दाम प्रपिता वरक न ॥ काय की विविध कार्य
 कादि के गुच गुविधि ॥ मान मयि यकाले व दहा कदा लली
 सुता ॥ ॥ सचित्त नयादा पाप माता वन नन याद

पाप धना मनसा न यादा पाप भाता धर्त पाप तालत मात.
मदिलन यादा पाप सता च्छु पापा भवया जीवकाय कः
त्रयाधी सायमभव भवया वस्तु शिदधके मविश्यावस्तु वय
नकायमभव का मस वय लय मगत धर्त सजीलन या
दापापा वचन नयादा पाप धना च्छु रुसखा झाय मगतः
वै च्छु वासुयाय मगत वीजा वचन वियमगत भव
भव

५॥ सा नभादाव जडा मरुत धनलपै गोयव वरु
डा जनाग गिया दिला नगिया व विजय क कुल
उया खैयुय गोस जल्ला केरान गिया साता रावके
क गथागान गुय मकूठ सत सवत सकल लाकेया
गानियाद मायक कंठा काधि पाय सुंद नयाक क
लाकेयागा सुखवियात याद थथीद एय मंडल
हुमा थवथव मंडलस विजय क रावय मंडलस क
॥